जिला/खनिज	सावित	सम्भात्य	संभावित	कुल
अहमदाबाद				
पंचमहल	यह थिक एल्यूवियम द्वारा अंडर लेन है।			
ग्रेफाइट		17		17
चूनापत्थर	4340	9195	114860	12395
मैगनीच अयस्क			1090	1090
क्वाटिज एंड सिलिकासैंड	8	951	6527	7486
फास्फेट/फास्फोराइट			19	19
राजकोट				
फायरक्ले		215	27310	27525
ग्रेफाइट		17		17
चूनापत्थर			7118	7118
सुंदरगढ़				
फायरक्ले	34	26	46995	47055
क्वाटिज एंड सिलिकासैंड	1610	3145	4494	9249

सौराष्ट्र क्षेत्र में राजकोट, सुरेन्द्रनगर, जामनगर , जूनागढ़, अमरैली और भावनगर जिले शामिल है।

Guidelines for attracting foreign investment in mining sector

2370. DR. B.B DUTTA: Will the Minister of MINES be pleased to state:

(a) whether Government have issued fresh guidelines to attract private investments including foreign capital in the exploration and mining fields;

(b) if so, the details thereof; and

(c) the details of the response of the foreign mining giants?

THE MINISTER OF STEEL AND MINISTER OF MINES (SHRI BIRENDRA PRASAD BAISHYA): (a) to (c) The Central Government in October, 1996 have issued guidelines for grant of large areas for Prospecting Licences. As per these guidelines, an applicant can be granted upto a maximum of 10,000 Sq.Kms. for the whole country for the purposes of aerial prospecting. The Central Government would consider the request after the State Governments recommend the applications to the Central Government. The guidelines have inbuilt scheme of steep relinquishment so that the area left with an applicant for detailed Prospecting at the end of three years is only 25 Sq. Kms. The guidelines also provides for specific expenditure commitments on the part of the applicant besides aerial prospecting.

The Government have allowed automatic approval route for foreign equity participation upto 50% for mining of Iron ore, Manganese ore, Chromite, Bauxite, Copper ore, Lead and Zinc ores besides some non metallic minerals. Further the Govt, have allowed automatic approval route for foreign equity upto 74% for services incedental to mining activity for certain minerals but excluding gold, silver and precious/semi precious stones. Higher equity participation not covered under automatic route will continue to be considered on case to case basis *as* before.

The proposals for foreign investment, inter-alia, in the mining sector are received by the Secretariat of Industrial Approvals, Department of Industrial Policy & Promotion, Ministry of Industry for consideration by FIPB. On the recommendations of the Ministry of Mines, FIPB has approved investment pattern of 33 proposals in the Mining/ Metallurgical sector involving a total investment of Rs. 2312.31 crores. The applications for grant of mineral concessions have to be made to concerned State Governments only and processed as per provision of Mines and Minerals (Regulation and Development) Act, 1957.

Payment of ad-valorem royalty for minerals

2371. SHRI SATTSH PRADHAN: Will the Minister of MINES be pleased to state:

(a) whether Government have formulated a proposal for payment of Advalorem royalty for 17 minerals;

(b) if so, the details of the proposal formulated and its likely financial impact for the current year;

(c) the reaction of the State Governments thereto; and

(d) financial benefits likely to accrue to the State Governments, State-wise as a result of the proposed hike in royalty?

THE MINISTER OF STEEL AND MINISTER OF MINES (SHRI BIRENDRA PRASAD BAISHYA): (a) to (d) The Central Government constituted a Study Group on 30.1.95 for carrying out detailed revision of rates of royalty and dead rent applicable to major minerals (other than Coal, lignite and sand for stowing). The State Governments were duely consulted by the Study Group. The Study Group submitted its report in November, 1995 and the proposal for revision of royalty rates is under consideration of the Government.

खानिज वैज्ञानिक और भूवैज्ञानिक सम्मेलन

2372. **श्री शिव चरण सिंह:** क्या खान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या दिसम्बर, 1996 में नई दिल्ली में अखिल भारतीय खनिज वैज्ञानिक और भूवैज्ञानिक सम्मेलन का आयोजन किया गया;

(ख) यदि हां, तो इस सत्र में किन-किन विषयों पर विचार –विमर्श किया गया और क्या-क्या निर्णय लिये गये; और

(ग) किन-किन विषयों पर चर्चाएं की गई/निर्णय लिये गए?

इस्पाल मंत्री तथा खान मंत्री (श्री बिरेन्द्र प्रसाद बैश्य): (क) और (ख) अखिल भारतीय खनिजविज्ञों तथा भूविज्ञानियों का ऐसा कोई सम्मेलन दिसम्बर, 1996 में नई दिल्ली में आयोजित नहीं किया गया। तथापि राज्यों के मंत्रियों । सचिवों का एक सम्मेलन 26-27 दिसम्बर, 1996 को नई दिल्ली में आयोजित किया गया था। राज्यों के मंत्रियों /सचिवों के सम्मेलन में निम्नलिखित मुख्य मदों पर चर्चा हुई; (1) बड़े क्षेत्रों की अनुमति के लिए नए दिशानिर्देश (2) पूर्वेक्षण लाइसेंस तथा खनन पट्टे देने के लिए प्रक्रिया को सरल बनाना (3) खनन संबंधी रिवायतें प्राप्त करने के लिए विदेशी कंपनियोम द्वारा झेली जाने वाली समस्याएं (4) नई खनिज नीति, 1993, खान और खनिज (विनियमन और विकास) अधिनियम 1957 में संशोधन, खनिज रियायत नियमावली 1960 तथा खनिज रियायत विकास नियमावली 1988 (5) पर्यावरन तथा वन संबंधी स्वीकृति (6) संभावित निवेशकों को आंकड़ो की आपूर्ति(7) गवेषण कार्य करने में भारती भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण, भारतीय खान ब्यूरो द्वारा राज्य सरकारों के साथ झेली। जाने वाली समस्याएं (8) ग्रेनाइट संसाधनों का विकास।

(ग) इस सम्मेलन में लिये गए कुछ मुख्य निर्णयों के अनुसार केन्द्र सरकार ने खान और खनिज (विनियमन और विकास) अधिनियम, 1957 की धारा 7(2) तथा 8(2) के तहत इस अधिनियम की प्रथम अनुसूची के भाग "ग" में निर्दिष्ट खनिजों के बारे में पूर्वेक्षण लाइसेंस तथा खनन पट्टोम के नवीकरण के अधिकार राज्य सरकारों को हस्तांतरित किये है। इसके अलावा, सचिव (खान) भारत सरकार की अध्यक्षता में एक समिति गाठित की गई है विभिन्न राज्यों के खान और भूविज्ञान सचिव, भारतीय खान ब्यूरो के महानियंत्रक, फिमि के